B.Ed - 2nd Year **Dr. Amod Kumar Sinha**
Session – 2018-2020 (Assistant Professor)
Subject - School Management and Leadership Department of Education
Course - 11 (e), Unit - (C) A. N. D. College
Topic - **भारत और सामुदायिक विद्यालय** Shahpur Patory
(India and Communal School) Samstipur
Lecture No. – 15

भारत में अभी तक विद्यालय तथा समुदाय के सम्बंधों की स्थिति अधिक अच्छी नहीं है।प्राथमिक विद्यालय अधिकांश राज्यों में स्थानीय निकायों के नियंत्रण में हैं, परन्तु उनमें भी विद्यालय तथा समुदाय के सम्बंध सुखद तथा सहयोगपूर्ण होने के स्थान पर अनेक विषमताओं से परिपूर्ण है। किसी–किसी विद्यालय में शिक्षक–अभिभावक संघ इस दिशा में कुछ अच्छा कार्य कर रहे हैं। फिर भी कुल मिलाकर विद्यालय समुदाय सम्बंध अभी तक पुस्तकों तथा प्रशासन की संस्तुतियों तक ही सीमित हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रोग्राम आफ एक्शन (1986) के प्रस्तावना में लिखा गया है–''शिक्षा–प्रणाली में एक नये प्रकार की जिम्मेदारी का सृजन किया जाना आवश्यक है।'' इसके लिए प्राथमिक स्तर से ही विद्यालय का छात्रों के घर और समुदाय केमध्य सम्बंध विकसित किया जाना चाहिए। धीमे–धीमे एक अवधि में सांस्कृतिक पड़ोस की संकल्पना को विकसित किया जाय, जिसमें समुदाय से अपेक्षा है कि वह विद्यालयी कार्यक्रमों में विविध प्रकार से सहभागी बनकर अधिक व्यापक भूमिका निर्वाह करे। विद्यालय भी सामुदायिक सम्पर्क के लिए समुदाय के स्थानीय कलाकारों तथा शिल्पियों आदि को आमंत्रित करें।

माध्यमिक स्तर पर–नीतिगत दस्तावेज में छात्रों को समुदाय में स्थित म्यूजियमों तथाजन्तुआलयों में ले जाना, राष्ट्रीय स्मारकों की देखभाल का दायित्व लेना, सफाई एवं स्वच्छता कैम्प आयोजित करना, श्रमनिष्ठा की भावना विकसित करने के लिए श्रमदान कैम्प आयोजित करना, साक्षरता कक्षाओं का आयोजन करना, सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक सर्वेक्षण करना तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यकलापों की अनुशंसा की गई है।

(समाप्त)